विषय सूची

गरीबों की नाथ हैं ओरण 1 - 4

- ओरण : सामान्य जानकारी और स्थिति
- ओरण स्थापना और उसका सांस्कृतिक स्वरूप
- पश्चिमी राजस्थान में ओरण और गोचर
- ओरण अध्ययन का उद्देश्य
- अध्ययन की विभिन्न विधियों की जानकारी
- अध्ययन हेतु चयनित ओरण

जुबां पर जीवन्त इतिहास 5 - 14

- ओरण के देवी-देवताओं के बारे में जानकारी
- अध्ययन हेतु उपयोग में ली गई सहभागी सीख प्रक्रिया के बारे में उपयोगिता एवं विधियों की जानकारी
- ओरण अध्ययन हेतु चुने गए गांवों की सामान्य जानकारी, गांव एवं ओरण स्थापना का इतिहास

ओरण हमारा जीवन 15 - 47

- ओरण का आर्थिक, स्वास्थ्य, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, जैव-विविधता, पारिस्थितिक संतुलन में महत्व
- समुदाय के ज्ञान, अनुभव, जरूरत के आधार पर ओरण समुदाय का जीवन
- स्थानीय ज्ञान और कौशल का दस्तावेज

यों होती है रखवाली 48 - 50

- देवी-देवता, जागीरदार एवं वर्तमान सरकारी प्रबन्ध कार्य की जानकारी एवं विभिन्न मान्यताएं।

प्राणों पर हुई चोट 51 - 64

- तुलनात्मक अध्ययन हेतु विक्रम संवत 1997 को आधार बनाना
- ओरण में बदलाव - वनस्पति, मवेशी, दुग्ध उत्पादन, वन्य जीव-जन्तु, दबाव, अनाज उत्पादन, खेती में बदलाव
- प्राणों पर चोट - कारण एवं प्रभाव

जीवन को यों संवारे 65 - 82

- लोक मूल्य एवं परम्पराएं - लौटाएं हमारा वैभव
- जमीन और पानी की नब्ज पहचानना जरूरी
- जल है तो जान है
- मिल सकता है यों रोजगार
- मवेशी की सेहत जरूरी
- बदलें खेती के तौर-तरीके
- जैव-विविधता का हो संरक्षण
- अतिक्रमण से मुक्ति का उपाय
- कानूनी संरक्षण के लिए विशेष प्रावधान की जरूरत
- समुदाय लें जिम्मेवारी
- ग्रामीण सहभागी सीख प्रक्रिया की सीख
- हम क्या कर सकते हैं

उम्मीद जगाते आन्दोलन 83 - 99

- राणीगांव का ओरण बचाओ आंदोलन
- असाडा का ओरण गोचर आन्दोलन
- भीनासर आन्दोलन
- खेजड़ली का चिपको आन्दोलन

साकार होता सपना

- बलवती होती उम्मीदें - बालेरा की ओरण
- यों होता है भू एवं जल संरक्षण कार्य
- थारपारकर पशु नस्ल सुधार परियोजना
- गोधन को समझने की पाठशाला
- केंचुओं को अब धरती रास आई
- लोक रंगों को बचाने की जुगत
- ल्हास और भणत

आभार 100 - 102